

## एर्नेस्तो कार्देनाल की गिरफ्तारी कविता की गिरफ्तारी है

लातिन अमेरिका के महाकवि, मुक्तिवादी धर्मशास्त्र के प्रखर समर्थक और निकारागुआ पिछली सांदिनीस्ता के सरकार के पूर्व - संस्कृति मंत्री पादरी एर्नेस्तो कार्देनाल को अपने देश के राष्ट्रपति और पुराना क्रांतिकारी लबादा छोड़कर अवसरवादी और प्रतिक्रियावादी बन चुके शासक दानियल ओर्तेगा केकोप का शिकार होना पड़ा है। कहने को ओर्तेगा शासन के एक न्यायाधीश ने कार्देनाल को भूमि संबंधी एक कई वर्ष पुराने और खारिज किये जा चुके मुकदमें में एक जर्मन व्यक्ति का 'अपमान' करने के जुर्म में एक हजार डॉलर जुर्माने की सजा सुनायी, लेकिन इसका वास्तविक कारण यह है कि एर्नेस्तो कार्देनाल ने कुछ दिन पहले पराग्वे की एक सभा में ओर्तेगा को 'चोर और लुटेरा' कहा था जो कि 'जनरल सोमोजा के हितों की रक्षा में तैनात मुट्ठीभर परिवारों के राजतंत्र का प्रतिनिधित्व' कर रहा है। कार्देनाल पराग्वे के वाम-समर्थक राष्ट्रपति फेर्नांदो लुओगो द्वारा आयोजित एक समारोह में भाग लेने गये थे जहां उनका भारी स्वागत किया गया। दूसरी ओर ओर्तेगा को अपनी पराग्वे यात्रा स्थगित करनी पड़ी क्योंकि वहीं की नारीवादियों ने ओर्तेगा के खिलाफ एक बलात्कार के आरोप में उनका भारी विरोध करने का फैसला किया था। इससे क्रुद्ध ओर्तेगा ने कार्देनाल के विरुद्ध 2005 का झूठा मुकदमा फिर से शुरू किया। कार्देनाल ने जुर्माना भरने से इंकार करते हुए कहा कि 'मैं जेल जाना पसंद करूंगा।' लेकिन निकारागुआ के नियमों के अनुसार 80 वर्ष से ज्यादा उम्र के व्यक्ति को जेल नहीं भेजा जा सकता लिहाजा कार्देनाल के बैंक खाते जाम करने का आदेश दिया गया।

पादर एर्नेस्तो पर हुए इस अन्याय का दुनिया भर के लेखकों, बुद्धिजीवियों और विचारकों ने तीखा विरोध किया है। 60 से अधिक लातिन अमेरिकी सांस्कृतिक हस्तियों ने कहा है कि यह 'कार्रवाई पूर्णतः अवैधानिक और दानियल ओर्तेगा दुबारा सत्ता में आने पर जिस अनैतिकता, मनमाने व्यवहार, तानाशाह शैली और अपारदर्शिता के साथ असहमति और प्रतिरोध की आवाजों का सुनियोजित दमन कर रहे हैं, कार्देनाल उसके ताजा शिकार हैं।' इस विरोधपत्र पर नोबेल पुरस्कार-प्राप्त पुर्तगाली उपन्यासकार जुजे सरामागो, लातिन अमेरिका के विश्वप्रसिद्ध वामपंथी विचारक और इतिहासकार एदुआर्दो गालियानो, प्रसिद्ध गायक और गीतकार मेइया गुदोई, जूलियो कास्तिलो, एंतोनियो स्कामेता ओर्तेगा, जियोकोंदा बेली, सेलिया सांतामारिया और पिछली सांदिनीस्ता सरकार के उपराष्ट्रपति सेर्गियो रामिरेज आदि जाने-माने बुद्धिजीवियों ने हस्ताक्षर किये हैं। इसके अलावा विश्वभर से करीब तीन सौ बुद्धिजीवियों ने कार्देनाल के प्रति अपनी

एकजुटता व्यक्त की है। जुजे सरामागो ने अपने पत्र में कहा है कि 'ओर्तेगा को कार्देनाल से क्षमा मांगनी चाहिए। कार्देनाल हमारी धरती के सबसे असाधारण व्यक्तियों में से हैं और उन्हें ओर्तेगा अपने अतीत की कसौटी पर निकम्मे और किसी मनुष्य की महानता पहचानने में असमर्थ साबित हो चुके हैं। क्रांति एक बार फिर से भितरघात का शिकार हुई है। अगर ओर्तेगा में क्षमा मांगने की हिम्मत नहीं है तो यही समझा जायेगा कि उनकी मानवीय और राजनैतिक साख शून्य हो चुकी है और निकारागुआ की न्याय व्यवस्था ताकत के प्रतिशोध में और कुंठा से भ्रष्ट हो चुकी है।' एदुआर्दो गालियानो ने कहा है कि 'मेरी सहानुभूति एर्नेस्तो कार्देनाल जैसे महान कवि, अद्भुत इंसान और मेरी आत्मा के बिरादर के साथ है, जिन्हें एक कुख्यात सरकार के एक कुख्यात न्यायिक निर्णय का शिकार बनाया गया है। तुम पर यह अन्याय दरअसल, तुम्हारी प्रशंसा है एर्नेस्तो।' गायक मेइया गुदेई ने कार्देनाल को 'अपने कारखाने में काम कर रहे कठफोड़वे की संज्ञा देते हुए कहा है कि हम सब दुनियाभर की चिड़ियों को समवेत स्वर में एकजुटता का समूह गान गाना चाहिए क्योंकि कार्देनाल की गिरफ्तारी कविता की गिरफ्तारी है।' उपन्यासकार और पूर्व-उपराष्ट्रपति रामिरेज के अनुसार, 'निकारागुआ के न्यायाधीश दानियल ओर्तेगा के रहम पर काम करते हैं।'

रूबेन दारियो, सेसर वाय्येखो और पाब्लो नरुदा के बाद एर्नेस्तो कार्देनाल लातिन अमेरिका के चौथे बड़े कवि माने जाते हैं। उन्होंने ईसाइयत और मार्क्सवाद के क्रांतिकारी मूल्यों को जोड़ते हुए धर्म को सामाजिक परिवर्तन का औजार बनाया और इसके लिए पोप की भर्त्सना भी सहन की। उन्होंने अमेरिका की कठपुतली सोमोजा सरकार के विरुद्ध भूमिगत संघर्ष में हिस्सा लिया, कम्यून बनाये और एक ऐसी कविता की रचना की जिसमें राजनैतिक खबरें, पूंजीवाद विरोधी घटनाएं और प्रेम और क्रांति आपस में घुले-मिले हैं। 1979 में जब सांदिनीस्ता छापामारों ने ओर्तेगा के नेतृत्व में सोमोजा का तख्ता पलट दिया तो कार्देनाल इस सरकार के संस्कृतिसंरक्षक बनाये गये। धीरे-धीरे ओर्तेगा का वैचारिक पतन होने लगा तो कार्देनाल ने ओर्तेगा के तानाशाह रवैए की आलोचना की। 1990 में ओर्तेगा सरकार गिर गयी लेकिन 16 वर्ष बाद 2006 में ओर्तेगा फिर से सत्ता में आ गये हालांकि अब वे वामपंथी या क्रांतिकारी नहीं रह गये थे, बल्कि एक सामंत की तरह शासन करने और अमेरिकी साम्राज्यवाद से जोड़-तोड़ में लग गये थे। 2006 में चुनाव के समय एर्नेस्तो कार्देनाल ने ओर्तेगा के खिलाफ प्रचार किया था और कहा था कि 'ओर्तेगा का दुबारा सत्ता में आना निकारागुआ के लिए बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण होगा।'

कार्देनाल के पक्ष में एकजुट हुए लेखकों ने कहा है कि 'कार्देनाल निकारागुआ के गरीबों की आवाज और वास्तविक अमेरिका के सांस्कृतिक प्रतीक हैं। विश्वस्तर पर महत्वपूर्ण 82 वर्षीय एक विभूति के प्रति सरकार का यह रवैया उसकी कायरता का प्रतीक है और यह सिर्फ एर्नेस्तो पर ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लेखकों पर हमला है।' चीले के लेखक एन्तोनियो ओर्तेगा ने चेतावनी देते हुए कहा है कि 'कार्देनाल को कोई छू नहीं सकता।'

- मंगलेश डबराल

## कार्देनाल की लंबी कविता 'भविष्योद्घाटन' का अंतिम अंश

और फ़रिश्ते ने मुझसे कहा : वे सिर जिन्हें तुम पशुओं पर देख रहे हो,  
सब तानाशाह हैं  
और उनके सींग इंकलाबी नेता हैं जो अभी तानाशाह नहीं हुए हैं  
लेकिन बाद में हो जाएंगे

और वे मेमने के खिलाफ युद्ध छेड़ेंगे  
 और मेमना उन्हें पराजित कर देगा  
 और उसने मुझसे कहा : विश्व के राष्ट्र 2 खेमों में बंटे हुए हैं  
 (गॉग और मेगॉग)।  
 हालांकि 2 खेमे वास्तव में एक ही खेमा हैं  
 (और वह मेमने के खिलाफ है)  
 और दोनों को निगलने के लिए स्वर्ग से आग बरसेगी।  
 और पृथ्वी की जैविकी में मैंने एक नया विकास - क्रम देखा है  
 वह ऐसा था जैसे अंतरिक्ष में एक नया ग्रह उदित हुआ हो  
 क्योंकि मृत्यु और नरक दोनों आणविक अग्नि के समुद्र में ढल गये थे  
 और दोनों में ही लोग नहीं थे जैसे पहले होते थे  
 बल्कि मैंने एक नयी ताज़ा विकसित हुई प्रजाति देखी  
 ऐसी प्रजाति जो व्यक्तियों से नहीं  
 बल्कि एक अकेली जैविकता से  
 कोशिकाओं की बजाय मनुष्यों से निर्मित हुई थी  
 और तमाम जीवविज्ञानी बुरी तरह चकित थे  
 लेकिन मनुष्य स्वाधीन थे और उनकी एकता में सिर्फ एक मनुष्य था -  
 कोई मशीन नहीं -  
 और समाजशास्त्री भी उसी तरह हक्के-बक्के थे  
 ये लोग जिनका इस नयी प्रजाति में कोई हिस्सा नहीं था  
 फ़कत जीवाश्म थे।  
 इस जैविकता ने घेर लिया था इस पूरे ग्रह की समूची गोलाई को  
 जो कि कोशिका की तरह गोल थी (लेकिन उसके आयाम कई ग्रहों तक थे)  
 और तब दूल्हे की प्रतीक्षा करती हुई एक दुल्हन की तरह  
 कोशिका को जयमाल पहनायी गयी  
 और पृथ्वी आनंद से झूम उठी  
 (जैसे विभाजित होते समय पहली कोशिका का विवाहोत्सव हुआ था)  
 और फिर वहां एक नया गान उभरा  
 और उन तमाम ग्रहों ने जहां आबादियां थीं पृथ्वी को गाते हुए सुना  
 और वह एक प्रेमगीत था

(रॉबर्ट प्रिंग-मिल के अंग्रेज़ी अनुवाद से हिंदी अनुवाद : मंगलेश डबराल)

---

अर्नेस्तो कार्देंनाल की कविताओं के अप्रतिम अनुवाद कवि नरेन्द्र जैन ने सबसे पहले किये। 1976 में उन्होंने कार्देंनाल की कविताओं का एक आकर्षक पोस्टर भी बनाया। यानी बत्तीस वर्ष पहले अर्नेस्तो कार्देंनाल का हिन्दी में शानदार प्रवेश हो चुका था।